>

Title: Problems being faced by the LIC Agents in the country.

श्री जय प्रकाश अग्रवाल (उत्तर पूर्व दिल्ली): मैडम, एल.आई.सी. एजेंट्स का एक बहुत बड़ा समूह दिल्ली में आज हड़ताल पर है और जिनके तकरीबन एक करोड़ टोटल लोग हैं। 50 लाख से ऊपर परिवार हैं, जो इससे इफेक्टिड हैं। सरकार की तरफ से शायद यह कोशिश हो रही है कि इन एजेंट्स का कमिशन बंद कर दिया जाए और इनको डी-रजिस्टर कर दिया जाए।

मेरा मानना यह है कि ये वे लोग हैं, जो सरकार से कोई ऑफिस या एडमिनिस्ट्रेटिव एक्सपेंसेस नहीं लेते। इन्हें कोई दफ्तर एवं नौकरी नहीं दी जाती। ये खुद मेहनत करते हैं, घर-घर जाते हैं, पॉलिसी देते हैं और उसकी वजह से इन्हें कमिशन मिलता है, जिससे इनके परिवार का गुजारा चलता है। इन्हें जो एवरेज कमिशन मिलता है, वह तकरीबन चार हजार या पांच हजार रुपए महीना पड़ता है, जो शायद कम से कम एक सरकारी कर्मचारी की तनख्वाह होती है, उसका भी आधा हिस्सा है। मेरा मानना है और सरकार से मैं दरख्वास्त करना चाहता हूं कि इन परिवारों को, जो पूरी आबादी का एक परसैंट है, इन्हें बचाने के लिए कदम उठाएंगे, उनकी मांग को मानेंगे।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER:

Shri Madhu Goud Yaskhi,

Shri N.S.V. Chitthan,

Shrimati Botcha Jhansi Lakshmi,

Shri Datta Meghe,

Shri Vinay Pandey,

Shri Harish Chaudhary,

Shri Ijyaraj Singh,

Shri Kabir Suman,

Shrimati Jayaprada,

Shri K.L. Punia

Dr. Tarun Mandal, and

Shri Hukumdeo Narayan Yadav are allowed to associate with the issue raised by Shri Jai Prakash Agarwal.